Media Hegemony Theory

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MMHAPU
MJMC/SEM 1/Paper 101
Date- 21/06/2021

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- मीडया आधिपत्य की अवधारणा में जन माध्यमों की संस्कृति जिसमें समाचार, विचार, मनोरंजन आदि है, समाज में वर्गीय विभाजन और वर्ग विशेष का शासन बनाए रखने में सहायता पहुंचाती है।
- यह सिद्धांत समाज में शासक वर्ग के सिद्धांतों के एक समूह अथवा संगठन की ओर ध्यान आकर्षित करता है।

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- माध्यम आधिपत्य के सिद्धांत को सबसे पहले वर्ष **1971** में **Antonio Gramsci** ने प्रस्तुत किया था। इन्होंने बताया था कि किस तरह मीडिया शासक वर्ग की विचारधारा है।
- मीडिया आधिपत्य में शासक वर्ग के तरह–तरह के विचार अंतर्सम्बंधित होते हैं और वे सत्ता और विचारों को सर्वमान्य बताते हैं। इसमें शासक वर्ग की विचारधारा पर कोई प्रश्नचिन्ह न लगे बल्कि सहमति बनी रहे इसकी कोशिश की जाती है।

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- इस सिद्धांत के अनुसार, यदि कोई शासक वर्ग की विचारधारा का विरोध करता है और इसमें परिवर्तन लाना चाहता है तो मीडिया उसे असंतुष्ट, अराजक आदि घोषित कर देता है।
- इस सिद्धांत का प्रभाव समाज की स्थितियों में पुरानी अवधारणाओं को ही निरंतर बताना है। किसी प्रकार की कोई परिवर्तन करने में यह सहायक नहीं होता है।

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- मीडिया आधिपत्य के बारे में वर्ष 1984 में एक शोधकर्त्ता एल्थेड (Altheid) ने अपना मत प्रस्तुत किया था। इनके अनुसार, 'माध्यम आधिपत्य के संदर्भ में कम से कम तीन अवधारणाओं को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है–

  1ण पत्रकारों की सामाजिक रचना के लिए मार्गदर्शन और श्रेष्ठ विचारधारा से जुड़ाव होना आवश्यक है।

  2ण पत्रकारों की प्रवृत्ति ऐसे समसामयिक समाचारों की प्रस्तुति करने की होती है जो परिवर्तन का विरोधी हो और सामाजिक स्थिति को बनाए रखने में सहायक हो।

  3ण इसमें ऐसे समाचारों को प्रस्तुत करने की होती है जो अमेरिका की छवि को उज्ज्वल बनाए और तीसरी दुनिया के देशों की छवि को धूमिल करें।

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- एल्थेड के विचारों से स्पष्ट होता है कि अमेरिका मास मीडिया पर अपना वर्चस्व स्थापित कर तीसरी दुनिया के देशों की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। और अपनी छवि को अच्छी तरह से प्रस्तुत कर दुनिया में स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करता है।
- इस प्रकार तीसरी दुनिया में भी जिसका मास मीडिया पर वर्चस्व है वह स्वयं की छवि को ही अच्छी तरह से प्रस्तुत करता है।

मीडिया आधिपत्य का सिद्धांत

- यही कारण है कि आज प्रायः अधिकांश देशों में मास मीडिया की स्वायत्ता की बात विपक्षियों के द्वारा उठायी जाती है जिससे सत्ता पक्ष उनकी छवि को बिगाड़ न सके। जब कभी वही विपक्ष सत्ता में आता है तो वह भी अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है।

- मीडिया आधिपत्य अथवा वर्चस्व के कारण विभिन्न राजनीतिक दल अपने संगठन में मास मीडिया से सम्बंधित सेल गठित करने लगे हैं जिससे उनके दल की छवि जनता में अच्छी बनी रहे।

धन्यवाद